नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कला सृजन

कला संस्कृति एवं ज्ञान को समर्पित संस्थान

2026

अंक 2

naveensangeetcollege@gmail.com | https://www.sangeetcollegedurg.ac.in/

डॉ ऋचा ठाकुर (प्राचार्य)

प्रदर्शनात्मक कलाओं में रोजगार सृजन, उन्नयन एवं संरक्षण के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग की स्थापना की गई है। सीमित संसाधनों के बावजूद यह महाविद्यालय अपनी सांस्कृतिक धरोहर की सुगंध को चारों ओर प्रसारित कर रहा है। यहाँ की विविध गतिविधियाँ और विद्यार्थियों की साधना कला-सृजन की जीवंत झलक प्रस्तुत करती हैं। कला-साधक निरंतर सुर-ताल के माध्यम से नए आयाम स्थापित कर रहे हैं, जहाँ न आयु का बंधन है, न सीखने की सीमा। मैं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ। यह पत्रिका महाविद्यालय की कला, सौंदर्य और भारतीय संगीत परंपरा को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है।

संगीत शब्द में ही भारतीय ज्ञान परंपरा छिपी हुई है – डॉ राजेश पांडे

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय , दुर्ग द्वारा छात्र छात्राओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया I मुख्य अतिथि के रूप में डॉ राजेश पाण्डे , अपर संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर विस्तार से बताते हुए कहा कि संगीत विषय में ही भारतीय ज्ञान परंपरा का इतिहास समाया हुआ है I उन्होंने कहा कला को सीखने की कोई उम्र नहीं होती I शासकीय वी वाय टी महाविद्यालय दुर्ग के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस एन झा ने कहा संगीत अंतरात्मा को छू जाता है, उन्होंने मोहम्मद रफ़ी के गाने से समां बाँध दिया I वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अभिनेष सुराना ने उदबोधित करते हुए NEP के दिशानिर्देशों को बताया साथ ही कहा कि संगीत महाविद्यालय ने बहुत जल्द ही अपनी पहचान बना ली है I महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नारायण शर्मा ने कहा कि मुझे यहाँ आकर बहुत अच्छा लग रहा , इसके लिए भवन का प्रयास जारी है , इसके विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे I महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर ने कार्यक्रम की रुपरेखा बताई I इस अवसर पर सत्र की गतिविधियों को समाहित करती हुई पत्रिका कला सृजन का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया I महाविद्यालय की वेबसाइट का भी अनावरण किया गया I सांस्कृतिक प्रदर्शन के सवरूप में सुमन जोशी राजेश्वरी ने सरस्वती वंदना एवं इंदिरा कला संगीत विवि खैरागढ़ का कुल गीत सुन्दरता के साथ प्रस्तुत किया Iपंकज और कल्याण ने टेबल और हारमोनियम में संगतिकी I वही कुस्मिता और दुष्यंत ने छत्तीसगढ़ी युगल नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर माहौल सुरमई बना दिया I नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पॉवर पॉइंट माध्यम से समझाया गया Iअंत में छात्र छात्राओं के सामूहिक गान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ I कार्यक्रम का सफल सञ्चालन हिंदी अतिथि प्राध्यापक डॉ निधि वर्मा एवं आभार प्रदर्शन कार्यालय प्रमुख श्री यशवंत साहू ने किया I प्राचार्य ने बताया अभी महाविद्यालय में 14 अगस्त तक प्रवेश जारी है , इच्छुक लोग आवश्यक दस्तावेजों के साथ संपर्क कर सकते हैं

भारतीय जान परंपरा की जड़ों में है लोक कला वेदांत सिंह -

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में IQAC प्रकोष्ठ द्वारा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति के संरक्षण और प्रचार हेतु दो दिवसीय लोक संगीत कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। विशेषज्ञ वेदांत सिंह और सर्वजीत बम्बेश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने पंथी नृत्य-संगीत, राउत नाचा और सुवा गीत जैसी पारंपरिक विधाओं का अध्ययन किया। पहले दिन वेदांत सिंह ने लोक संगीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जन परंपरा की जड़ें लोक कला में निहित हैं। उन्होंने बताया कि लोक संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आदिवासी और ग्रामीण जीवन की सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का माध्यम है। वहीं सर्वजीत बम्बेश्वर ने मंदर, ढोलक और बांसुरी जैसे वाद्ययंत्रों के माध्यम से प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन लोक संगीत के आधुनिक स्वरूप और डिजिटल मंचों पर उसके प्रसार पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने सामूहिक प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने इसे सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों और सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य एवं आहार्य (वेशभूषा) विषय पर दो दिवसीय कौशल उन्नयन कार्यशाला

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में 25-03-2026 को छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य एवं आहार्य (वेशभूषा) विषय पर दो दिवसीय कौशल उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के मार्गदर्शन में तथा लोक संगीत विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक नृत्य शैलियों और वेशभूषा से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात मां सरस्वती वंदना और वंदे मातरम् के गायन से वातावरण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बन गया। प्रथम सत्र में सुआ नृत्य की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और उनके सांस्कृतिक महत्व को समझाया गया। साथ ही राउत नाचा के माध्यम से पुरुषों की वेशभूषा जैसे धोती, साफा (पगड़ी) और आभूषणों के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा नृत्य में प्रयुक्त पारंपरिक उपकरणों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि वर्मा ने किया। इस अवसर पर समस्त अध्यापकगण, कार्यालय प्रमुख तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कार्यशाला का प्रथम दिन सफल, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

महाविद्यालय परिवार

Dr. Richa Thakur
Principal

Mr. Yeshwant Sahu
Assistant Grade - I

Mr. Dhanraj Bhoyar
Assistant Grade - III

Mr. Gaurav Manhare
Office Assistant

Dr. Nidhi Verma
Guest Lecturer (Hindi)

Mr. Vatsal Tiwari
Guest Lecturer (English)

Ms. Sarla Sahu
Guest Lecturer (Vocal)

Mr Rajendra Kumar
Guest Lecturer (Bharatnatyam)

Ms. Bharti Janghel
Guest Lecturer (Folk Music)

Ms. Isha Deshmukh
Data Operator

ज्ञानदान श्रृंखला अंतर्गत व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में ज्ञानदान श्रृंखला के अंतर्गत 09 जनवरी 2026 को व्यक्तित्व विकास विषय पर एक प्रभावशाली कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास निर्माण एवं प्रभावी संप्रेषण कौशल को सुदृढ़ करना था। कार्यशाला में आईसीएस कोचिंग सेंटर के सहयोग से श्री रोहित खरे एवं श्री विवेक सोनी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता श्री विवेक सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति के शब्द ही उसके व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करते हैं। वहीं आईसीएस के निदेशक श्री रोहित खरे ने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) आयोजित की गई, जिसमें उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। चर्चा के उपरांत वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उपयोगी फीडबैक देकर आत्ममूल्यांकन एवं सुधार के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि वर्मा ने किया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने विद्यार्थियों को भाषा, अभिव्यक्ति एवं संवाद कौशल पर निरंतर कार्य करने की प्रेरणा दी। अंत में श्री वत्सल तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एंटी रैगिंग गतिविधियों का पालन प्रतिवेदन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के निर्देशानुसार रैगिंग मुक्त परिसर निर्माण हेतु 20 अगस्त 2025 को एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में पोस्टर प्रतियोगिता, ऑनलाइन/ऑफलाइन एंटी रैगिंग फॉर्म भरवाना तथा एंटी रैगिंग शपथ प्रमुख रहे। “रैगिंग मुक्त परिसर” विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टरों एवं स्लोगनों के माध्यम से रैगिंग विरोधी संदेश दिए। विजेता पोस्टरों को परिसर में प्रदर्शित किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से UGC पोर्टल पर एंटी रैगिंग अंडरटेकिंग फॉर्म भरवाए गए तथा प्रवेश आवेदन पत्र में भी शपथ शामिल की गई।

प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के नेतृत्व में विद्यार्थियों को एंटी रैगिंग शपथ दिलाई गई, जिसमें रैगिंग न करने और किसी भी घटना की सूचना देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीतों के माध्यम से भी जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए। इन गतिविधियों से महाविद्यालय में सकारात्मक एवं सुरक्षित वातावरण का निर्माण हुआ।

सेवा पखवाड़ा का आयोजन: सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों ने दी नई ऊर्जा

संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का भव्य आयोजन किया गया। इस दो सप्ताह के अभियान का उद्देश्य युवाओं में सेवा भावना जागृत करना तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत सेवा शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने समाज कल्याण के लिए समर्पित रहने की प्रतिज्ञा ली। इसके बाद ड्राइंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत' और सामाजिक विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए तथा 'सेवा ही धर्म है' जैसे विषयों पर विचारपूर्ण निबंध प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के कार्यालय प्रमुख श्री यशवंत साहू ने जिला अस्पताल, दुर्ग में रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में दौड़ और शतरंज के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा दिया गया। वहीं सफाई अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं जागरूकता सत्रों ने आयोजन को और अधिक जीवंत बनाया। पूरे आयोजन में प्राचार्या डॉ. ऋचा ठाकुर का मार्गदर्शन रहा। समापन समारोह में विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से करने का संकल्प लिया गया।

संविधान दिवस पर विभिन्न आयोजन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में 26 नवम्बर को संविधान दिवस गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में मनाया गया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों को संविधान की शपथ दिलाई तथा दुर्ग जिले के गौरव श्री घनश्याम सिंह गुप्त के संविधान निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। अतिथि प्राध्यापक डॉ. निधि वर्मा ने संविधान की उद्देशिका का वाचन कर समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों की महत्ता बताई। विद्यार्थियों ने कविताओं, स्लोगन एवं विचारों के माध्यम से संविधान दिवस का महत्व प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण, कार्यालयीन कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

राजभाषा हिन्दी दिवस

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी दिवस का आयोजन शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग एवं नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसकी मनमोहक प्रस्तुति सुमन जोशी, राजेश्वरी एवं माधव सिंह मनीष कुमार ने दी। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने हिंदी भाषा की महत्ता, राजनीति, सामाजिक सरोकार एवं भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर कविताओं और विचारों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। निराला और हरिवंश राय बच्चन की प्रसिद्ध रचनाओं का काव्य-पाठ भी आकर्षण का केंद्र रहा। काव्य-पाठ प्रतियोगिता में बी.पी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी तिलक राम वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार गुप्ता, रामचंद्र घोष, तपन नाथ सिंह, डॉ. बाबूलाल सिंह एवं जगदीश बामनिया की प्रस्तुतियाँ सराहनीय रहीं। आयोजन में डॉ. अजय सिंह, डॉ. ऋचा ठाकुर सहित अनेक विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

छात्र छात्राओं की राष्ट्रीय अधिवेशन में सांस्कृतिक प्रस्तुति

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय एवं आशा पारस पीस एंड हारमनी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 11-12 मार्च 2026 को शंकराचार्य महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सरस्वती वंदना, राजगीत, भरतनाट्यम, मटकी नृत्य एवं कर्मा नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बांसुरी, तबला और हारमोनियम की मधुर संगत ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। आयोजन में प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर सहित सभी शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन

दिनांक 9 अगस्त 2026 को नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, कला एवं उनके योगदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन से किया गया । इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा आदिवासी लोकनृत्य, लोकगीत तथा पारंपरिक वाद्ययंत्रों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गई। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं उनके अधिकारों के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने बताया कि आदिवासी समाज हमारी सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनकी परंपराओं को सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है । कार्यक्रम में चित्रकला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने आदिवासी जीवन शैली को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया। अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गजानन माधव मुक्तिबोध जयंती समारोह

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 13 नवंबर को गजानन माधव मुक्तिबोध की 108वीं जयंती पर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुक्तिबोध जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उनके जीवन, विचारों और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। राजेंद्र गुप्ता (बीपीए प्रथम वर्ष) ने मुक्तिबोध की कविता का भावपूर्ण पाठ प्रस्तुत किया, जबकि पुष्पा देवदास ने प्रभावशाली वाचन से श्रोताओं को प्रभावित किया। योगिनी ने मुक्तिबोध का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए उनके संघर्ष और साहित्यिक व्यक्तित्व पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. निधि वर्मा ने किया ।

इस अवसर पर डॉबाबूलाल सिंह ., भारती जंघेल, वत्सल तिवारी सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। प्राचार्य महोदया ने विद्यार्थियों को मुक्तिबोध के साहित्य से प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित करते हुए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों की सराहना की।

संगीत महाविद्यालय में साक्षरता सप्ताह: एक प्रेरणादायक आयोजन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में साक्षरता सप्ताह का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा एवं साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रारंभ में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने समाज में साक्षरता और शिक्षा के प्रसार हेतु योगदान देने की शपथ ली। शपथ का नेतृत्व अतिथि प्राध्यापक डॉ. निधि वर्मा ने किया। साक्षरता जागरूकता को रचनात्मक रूप देने हेतु पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास का संदेश दिया। प्रतियोगिता में सुमन जोशी ने प्रथम, ज्योति भारद्वाज ने द्वितीय तथा अमन साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साक्षरता दिवस पर आयोजित विशेष व्याख्यान में प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने शिक्षा के सामाजिक प्रभाव और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता विस्तार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आयोजन में डॉ. निधि वर्मा, डॉ. बाबूलाल सिंह एवं यशवंत साहू का विशेष योगदान रहा।

NEP प्रायोगिक परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन

संगीत महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रथम सेमेस्टर की संगीत एवं नृत्य विषयों की प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की गईं। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोक संगीत के विद्यार्थियों ने सुआ, राउत नाचा तथा अन्य छत्तीसगढ़ी लोक शैलियों की प्रस्तुति दी, वहीं भारतनाट्यम विद्यार्थियों ने आकर्षक आहार्य, अड़वु अभ्यास और ताल ज्ञान का प्रदर्शन किया। हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन के विद्यार्थियों ने स्वर, राग और ताल पर अपनी दक्षता प्रस्तुत की। विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर मार्गदर्शन दिया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने सीमित संसाधनों के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु अतिथि प्राध्यापकों के प्रयासों की सराहना की। आयोजन में डॉ. निधि वर्मा, वत्सल तिवारी, राजेंद्र कुमार, भारती जंघेल, सरला साहू, यशवंत साहू एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। सैद्धांतिक परीक्षाएं 15 दिसंबर से प्रारंभ होंगी।

मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व उत्साह एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पर्व के धार्मिक, पौराणिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. निधि वर्मा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर स्पैरो संरक्षण विषय पर जागरूकता फैलाते हुए पर्यावरण संतुलन में पक्षियों की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

नवरात्र पर भाव राग मंजरी श्रृंखला में भजनों की प्रस्तुति

संगीत कॉलेज में नवरात्रि के अवसर पर नौ दुर्गा के स्वरूपों एवं भक्तिमय भजनों पर आधारित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक मां दुर्गा के नौ रूपों का आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया। जगदीश बामनिया, राजेंद्र गुप्ता एवं अन्य विद्यार्थियों ने भजनों और जस गीतों से वातावरण भक्तिमय बना दिया। अंत में गरबा नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। प्राचार्या डॉ. ऋचा ठाकुर ने कार्यक्रम को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नवीन शासकीय शास्त्रीय संगीत महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता दिवस पर प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. निधि वर्मा ने प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के मार्गदर्शन में किया। प्राचार्य ने मतदान को लोकतंत्र की शक्ति बताते हुए विवेकपूर्ण मतदान का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से “एक वोट का महत्व” प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। रामचंद्र घोष एवं गुरजीत सिंह ने गीतों के जरिए “वोट दो” का संदेश दिया। पुष्पा, प्रकाश, सुषमा आर्य एवं नेहा की प्रस्तुति सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार, भारती जंघेल, यशवंत साहू, धनराज भोयर, गौरव मनहरे एवं वत्सल तिवारी सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

AIDA की अंतरराष्ट्रीय नृत्यप्रतियोगिता संगीत- में उल्लेखनीय योगदान

ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन अंतरराष्ट्रीय नृत्य-संगीत प्रतियोगिता का आयोजन 2 से 12 अक्टूबर तक रायपुर में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। नृत्यति कलाक्षेत्रम् एवं डायरेक्टर डॉ. जी. रतीश बाबू के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य प्रतियोगिता में 2700 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगीत महाविद्यालय ने MoU सहयोग के अंतर्गत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय के अतिथि प्राध्यापक राजेंद्र कुमार ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति में 'शिव पंचाक्षर' एवं 'नंदी चोल' की प्रभावशाली अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, जिसके लिए उन्हें "नृत्य निष्ठ" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रथम वर्ष की छात्रा एम.टी. मृण्मयी ने राग भैरवी आधारित पदवर्णम एवं जयदेव की अष्टपदी "सा विरहे..." की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित किया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने इसे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और युवा पीढ़ी को कला से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया। समापन अवसर पर कलाकारों को "नटवर गोपीकृष्ण नेशनल अवॉर्ड-2025" सहित विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया।

छात्रों ने विवि स्तरीय युवा उत्सव में चमक बिखेरी

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय युवा उत्सव में दुर्ग के नवीन संगीत कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। सीमित संसाधनों और कम समय में कठिन अभ्यास के बावजूद विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया। सुगम संगीत गायन में विवेक मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि समूह गान में खिलेंद्र, तामेश्वर, अमन और विवेक के नेतृत्व में टीम ने भी तृतीय स्थान हासिल किया। हारमोनियम पर माधो राम सिन्हा तथा तबले पर अरुण कुमार और खिलेंद्र ने प्रभावशाली संगत दी। कोमल की बांसुरी वादन ने प्रस्तुति को विशेष आकर्षण प्रदान किया। मिमिक्री प्रतियोगिता में किशन साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी को प्रभावित किया और अब वे महाराष्ट्र में आयोजित मध्य क्षेत्रीय युवा उत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर सहित शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर शपथ ग्रहण, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता और प्रेरक भाषण आयोजित किए गए, जिनमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और परिवार के लिए हानिकारक है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन निधि वर्मा ने किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। संगीतमय प्रस्तुतियों और नशा मुक्ति गीतों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया। अंत में प्राचार्य ने भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने की बात कही।

बाल गीत गायन का आयोजन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर मनोरंजक गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. ऋचा ठाकुर ने करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के भीतर एक बच्चा जीवित रहता है और बचपन की यादें जीवन में उत्साह भरती हैं। छात्र-छात्राओं ने "गोबर दे बछरू", फुगड़ी, "लकड़ी की काठी" और "वंदे मातरम" जैसे गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। दीपिका एवं सुमन ने जनजातीय रिलो गीत प्रस्तुत किया। मांदल पर अरुण कुमार, हारमोनियम पर मिंटू राम तथा खड़ताल पर छविकांत और मनीष कुमार ने संगत दी। कार्यक्रम का संचालन भारती जंघेल ने किया।

जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बस्तरिया रेला, टूड गीत, महाराष्ट्र की कोली जनजाति का कोली गीत, सुआ गीत, सोहर, भरथरी, मारवा का ममेरा तथा राजस्थान का पणिहारी गीत प्रस्तुत कर आदिवासी एवं लोक संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। सुमन, जोशी, दीपिका साहू, नेहा कोशले और राजेश्वरी साहू की मधुर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अरुण साहू (ढोलक, मांडल), निशिकांत (कुहुकी), ऋषि (मंजीरा) और मनीष कुमार (घुंघरू) की संगत ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। अभिभावक-शिक्षक बैठक में विद्यार्थियों की जीवंत प्रस्तुतियों की सराहना हुई। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने इसे जनजातीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की प्रशंसा की।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में महाविद्यालय की टीम विजेता

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सेलूद में आयोजित गीत-नृत्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोकगीत प्रस्तुति में सुमन जोशी, राजेश्वरी साहू, दीपिका साहू, अमन साहू, विवेक मौर्य और प्रेम कुमार नेगी ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। संगत में अरुण साहू (तबला-ढोलक), मिंटू (हारमोनियम), कोमल (बांसुरी) और छविकांत (ऑक्टोपैड) ने शानदार सहयोग दिया। सुवा नृत्य में कुश्मिता साहू, दीपिका धनगर, नेहा कोशले, स्वाति प्रसाद, राजेश्वरी और सुमन ने छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की सुंदर प्रस्तुति दी। कुश्मिता साहू ने पारंपरिक वेशभूषा में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर सहित शिक्षकों ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

वीर बाल दिवस पर भजन, कीर्तन और अरदास

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर “भाव राग मंजरी” नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वीर बालकों के साहस और बलिदान को सम्मान देना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और नैतिक मूल्यों का विकास करना था। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें छात्र खिलेंद्र ने गिटार वादन के साथ मनमोहक प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों में सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक मूल्यों की स्थापना पर बल दिया। गुरजीत सिंह द्वारा प्रस्तुत अरदास गीत ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। तपन कुमार नाथ, विवेक यादव, पंकज देशमुख, प्रकाश कश्यप, माधो राम सिन्हा और रामचंद्र घोष ने भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत कर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। सरला साहू की मधुर गायकी और मुस्कान साहू के नृत्य ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। हारमोनियम पर माधो राम सिन्हा तथा तबले पर खिलेंद्र की संगत सराहनीय रही। कार्यक्रम में डॉ. निधि वर्मा, वत्सल तिवारी, भारती जंघेल सहित सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की।

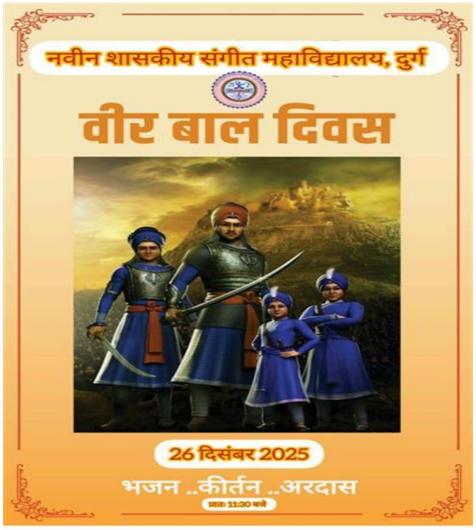

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय के RUSA ब्लॉक में 09 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन वत्सल तिवारी ने किया तथा रामचंद्र घोष ने महिला दिवस के महत्व पर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने “अधिकार” शीर्षक से नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। स्वाति, कुस्मिता, अरुण और पुष्पा की प्रस्तुति सराहनीय रही। राजेश्वरी साहू, रूही, सुषमा और अरुण ने भाषण एवं काव्य प्रस्तुति के माध्यम से महिलाओं के सम्मान और अधिकारों पर विचार रखे। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने भारतीय संस्कृति में महिला सम्मान की परंपरा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

श्री राजेंद्र कुमार ने थाईलैंड देश में जाकर बड़े अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रस्तुति

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के भरतनाट्यम विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री राजेंद्र कुमार ने थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। 30 मार्च से 11 अप्रैल तक आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने साथियों—मो. आसिफ हुसैन, तोषिता असाटी, मधुश्मिता पॉल एवं एक्कलक नू नगियोन—के साथ महासाराखाम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं नृत्य महोत्सव में भाग लिया। उनकी प्रस्तुति ने भारत और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। उन्होंने भरतनाट्यम के कीर्तनम् एवं तिल्लना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी तथा "कला एवं संस्कृति: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में सृजन की पुनरपरिभाषा" विषय पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किया, जिसे सराहा गया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर सहित महाविद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई दी।

विद्यार्थियों के लिए रोजगार और कौशल विकास का नया द्वार- रोजगार मेला

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समारोह श्रृंखला के अंतर्गत युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर प्रदान करने हेतु 12 सितंबर 2025 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग में वृहद रोजगार मेला 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव (स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं ग्रामोद्योग विभाग) के मुख्य आतिथ्य में हुआ। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग की प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के साथ-साथ उद्योग जगत से जोड़ना और उनके कौशल का विकास करना है। मेले में 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कंपनियों—जैसे बंधन बैंक, एक्सिस बैंक, फ्लिपकार्ट, टेलीपरफॉर्मेंस, एनआईआईटी, मुथूट माइक्रोफाइनेंस आदि—ने भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों के भर्ती काउंटर लगाए गए, जहाँ अभ्यर्थियों ने सीधे एचआर से संवाद कर इंटरव्यू दिए और करियर मार्गदर्शन प्राप्त किया। दुर्ग जिले के 21 शासकीय महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित अनेक अभ्यर्थी शामिल हुए। प्रारंभिक दो घंटों में ही 8 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व डॉ. बाबूलाल सिंह एवं श्री धनराज भोयर ने किया।

पोषक विद्यालय योजना के अंतर्गत कला एवं संगीत प्रशिक्षण कार्यक्रम

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय नवीन संगीत महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा "पोषक विद्यालय कार्यक्रम" संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करना है। इस योजना के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, दुर्ग को पोषक विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों की संगीत एवं कलात्मक प्रतिभा की प्रारंभिक पहचान कर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करना है। इस पहल के तहत भारतीय शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत एवं लोक कलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। महाविद्यालय के गायन, वादन एवं नृत्य विभाग के प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वर, लय और ताल जैसी बुनियादी अवधारणाओं की जानकारी दी। साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को संगीत और ललित कला में उच्च शिक्षा एवं करियर के अवसरों पर परामर्श भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया तथा कई प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान की गई, जिन्हें आगे विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। भविष्य में नियमित संगीत सभाओं एवं प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना है, जिससे सांस्कृतिक जुड़ाव और अधिक सुदृढ़ हो सके।

छात्र छात्राओं ने किया सिया देवी मंदिर एवं तांदुला जलाशय का भ्रमण

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के छात्रों ने सिया देवी मंदिर (बालोद) एवं तांदुला जलाशय का शैक्षिक भ्रमण कर एक यादगार यात्रा पूरी की। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा का संचालन जगदीश बामनिया, यशवंत साहू, वत्सल तिवारी एवं जीवनंदन वर्मा ने किया, जबकि डॉ. निधि वर्मा सहित टीम के कुशल प्रबंधन से यात्रा सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रही। सिया देवी मंदिर में छात्रों ने पूजा-अर्चना के साथ संगीत प्रस्तुति देकर भक्ति भाव व्यक्त किया, जिससे पर्यटक भी आकर्षित हुए। तांदुला डैम पर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक वातावरण बना दिया। इस यात्रा ने छात्रों में टीम स्पिरिट, आपसी सहयोग और सौहार्द को मजबूत किया। गुंडरदेही का नाश्ता और बालोद का आतिथ्य भी विशेष आकर्षण रहा। यह यात्रा ज्ञान, व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का सुंदर संगम बनकर छात्रों के लिए अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर "छत्तीसगढ़ की कला परम्परा – बीते 25 साल" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता लोककला संरक्षक डॉ. डी. पी. देशमुख ने कहा कि राज्य निर्माण के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर रहा है। उन्होंने विभिन्न लोकगीत प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को उनकी समृद्ध परंपरा से परिचित कराया तथा नाचा लोककला की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को कला क्षेत्र में सफलता हेतु कठोर परिश्रम का संदेश दिया।

विशिष्ट वक्ता डॉ. जी. रथीश बाबू ने अपने शास्त्रीय नृत्य के प्रारंभिक संघर्ष साझा करते हुए बताया कि दक्षिण भारतीय कला को छत्तीसगढ़ में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक थे, जिसे अब व्यापक स्वीकृति मिल चुकी है।

प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन में राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और प्रगति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं राज्य गीत से हुई। अतिथियों का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से किया गया। अंत में विद्यार्थियों ने ग़ज़ल एवं छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति दी तथा संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निधि वर्मा ने किया।

वृक्षारोपण

गणतंत्र दिवस

फागुन के रंग- फगुनिया

शिक्षक दिवस

प्रेस में नवीन संगीत महाविद्यालय

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bhilai City - 17 Dec 2024 - 17bh2
epaper.navabharat.news

कलर अवार्ड मिलने पर बधाई दी।

संगीत महाविद्यालय ने दी उस्ताद जाकिर को श्रद्धांजलि

दुर्ग। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय परिवार ने विश्व प्रसिद्ध कलाकार तबला सम्राट उस्ताद जाकिर हुसैन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उस्ताद हुसैन के चित्र पर माल्यार्पण एवं मौन होकर संवेदना व्यक्त की गई। इसके साथ ही सुर ताल के माध्यम से स्वरांजलि दी गई। शहर के युवा तबला कलाकार अरुण साहू ने अपने वादन से उस्ताद को नमन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर, गायन विभाग के अतिथि प्राध्यापक गजेन्द्र यादव, जगदीश बामनिया, यशवंत साहू, डॉ. निधि वर्मा, डॉ. संगीता चौबे, सर्वजीत ब्रम्बेश्वर, तपन कुमार, केवेंद्र सहित छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Ispat Bhoomi - 11 Aug 2025 - Page 2

साइंस कॉलेज में आदिवासी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारतीय जनजातियों को आगे बढ़ाने का आगाज : रिचा ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। आदिवासी समुदायों के अधिकार, संस्कृति व उनकी विरासत को संरक्षित करने उन्हें सम्मान दिलाने विश्व भर में आदिवासी दिवस मनाया जाता है।

■ कॉलेज के चारों हाउस में हुई प्रतिस्पर्धा

इसी तारतम्यता में शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में गठित विभिन्न हाउस गतिविधि के अंतर्गत विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय के चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, विवेकानंद व सुभाषचंद्र बोस हाउस के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष मंडावी, कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता महाविद्यालय रायपुर थे। उन्होंने बताया कि यह दिवस आदिवासी की सभ्यता, संस्कृति, को याद करने व उन्हें उनके अधिकारों की मान्यता देने वाला है, उन्होंने बताया कि 2025 के विश्व आदिवासी दिवस की प्रमुख थीम आदिवासी लोग व कृत्रिम बुध्दिमता अधिकारों की रक्षा व भविष्य को आकार पर आधारित है। इसके द्वारा उन्हें आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की विशेष अतिथि संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती रिचा ठाकुर थी। उन्होंने इस तरह के आयोजन को भारतीय जनजातियों को आगे बढ़ाने का आगाज बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने कहा कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य स्वदेशी समुदायों के योगदान को उजागर करना उनके अधिकार एवं संरक्षण के महत्व पर जोर देना, अभी भी आदिवासी सभ्यता अपने अस्तित्व एवं जल, जंगल एवं जमीन के लिए कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक हिन्दी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश तिवारी, प्राध्यापक गणित ने किया। डॉ. तरलोचन कौर, सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी ने अतिथि स्वागत के साथ यह बताया कि इस तरह का आयोजन आदिवासी सभ्यता का सम्मान महाविद्यालय द्वारा उन्नति के अवसर प्रदान करने प्रयास है।

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

समूह नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके द्वारा छात्र एवं छात्राऐं आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में समूह नृत्य में प्रथम स्थान सुभाषचंद्र बोस समूह, द्वितीय विवेकानंद समूह एवं तृतीय चंद्रशेखर आजाद समूह ने प्राप्त किया। साथ ही आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मेघा वर्मा, द्वितीय स्थान अमित कुमार एवं तृतीय स्थान वासुदेव ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में निर्णायक डॉ. के पद्मावती विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, डॉ. मर्सी जॉर्ज विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, डॉ. रिचा ठाकुर प्राचार्य संगीत महाविद्यालय दुर्ग उपस्थित थी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश तिवारी एवं लक्ष्मेन्द्र कुलदीप थे। महाविद्यालय में गठित विभिन्न हाउस के प्रभारी समस्त विभाग के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Ispat Bhoomi - 27 Sep 2025 - Page 4

संगीत महाविद्यालय में नवरात्र पर भाव राग मंजरी श्रृंखला में भजनों की प्रस्तुति

स्टूडेंट्स ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का किया जीवंत चित्रण, गरबा में जमकर झूमें भक्त

कार्नर न्यूज

दुर्ग। नवरात्रि के अवसर पर संगीत कॉलेज दुर्ग में नौ दुर्गा के नौ रूपों और भजनों पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मां दुर्गा के भक्तिमय स्वरूपों का चित्रण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नौ दुर्गा के रूपों की आराधना से हुई। जिसमें कलाकारों ने शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी तथा सिद्धिदात्री मां के स्वरूपों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात भजनों की श्रृंखला में जगदीश बामनिया, जीव नंदन, राजेंद्र गुप्ता तथा रामचंद्र घोष, नीलम साहू ने मां के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा की आराधना

संगीत कॉलेज दुर्ग प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि नवरात्रि का यह अवसर हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। कॉलेज द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों को संगीत, भक्ति तथा नृत्य के माध्यम से भारतीय परंपराओं से परिचित कराने का प्रयास है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार रामचंद्र घोष तथा तिलक राम वर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. निधि वर्मा, वत्सल तिवारी, राजेंद्र, यशवंत साहू, धनराज मोयर का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान परंपराओं को सहेजने का लिया संकल्प।

मां दुर्गा की स्तुतियां और जसगीत की रही प्रस्तुति, मां की भक्ति में डूबे

कार्यक्रम में समूह गान का भी विशेष आकर्षण रहा, जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं सुमन, अमन, राजेश्वरी, सीमा, योगिनी, वंदना, नेहा, मंजू, कुस्मिता, विवेक, ऋषभ, खिलेन्द्र, मनीष, प्रवीण, सुरेश एकजुट होकर मां दुर्गा की स्तुतियां एवं जस गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। हारमोनियम पर माधो राम सिन्हा, सौरभ एवं टेबल पर अरुण और मनीष ने संगति की। अंत में पारंपरिक गरबा नृत्य का आयोजन किया गया, जिसमें प्रकाश कश्यप ने गरबा के स्टेप्स बताए। इन कलाकारों की मधुर आवाज ने दर्शकों को मां की भक्ति में डुबा दिया। कॉलेज परिसर में स्टूडेंट्स गरबा खेला। हिन्दी, गुजराती, छत्तीसगढ़ और पंजाबी गीतों पर थिरके।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bhilai City - 13 Jan 2025 - 13bh2
epaper.navabharat.news

कोमल गांधार नाटक की हुई मंचीय प्रस्तुति

दुर्ग। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय एवं शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की साहित्यिक एवं नाट्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर की प्रमुख नाट्य संस्था अग्रगामी द्वारा शंकर शेष लिखित प्रसिद्ध नाटक कोमल गांधार का मंचन वीर नारायण सभागार में किया गया। कलाकारों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने सम्पूर्ण सभागार को भावुक कर दिया। विशेष तौर पर गांधारी और युद्ध भूमि में घायल पड़े दुर्योधन के मार्मिक संवाद ने रोमांच उत्पन्न कर दिया। सभी कलाकारों ने अपने चरित्र के साथ न्याय किया।

गौरतलब है कि कोमल गांधार की स्व. रिज़वी साहब के निर्देशन में अनेक स्थानों में पुरस्कार और प्रशंसा मिली है। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी स्व जलील रिज़वी के रंगमंच को दिए अमूल्य योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनकी धर्मपत्नी एवं वरिष्ठ कलाकार नूतन रिज़वी का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि वीवायटी दुर्ग के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने कहा कि रंगमंच के प्रति नूतन का झुकाव अभिनंदनीय है। संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने अपने अनुभव को साझा करते हुए युवाओं में नाटक के प्रति रुझान जागृत करने के लिए प्रोत्साहित किया। नूतन रिज़वी ने अपनी नाट्य यात्रा को बताया। विशेष अतिथि डॉ. कुञ्ज बिहारी शर्मा पूर्व प्राचार्य ने रंगकर्म की विशेषताओं पर अपनी बात कही। नाटक देखने आए नाट्यकर्मी मणिमय मुखर्जी एवं विद्या गुप्ता ने इस मंचन को अत्यधिक सराहा। अग्रगामी संस्था के कलाकार प्रकाश खांडेकर, शेखर शुक्ल, चंद्रलोक मिश्र, महेंद्र साहू, अलका दुबे, सौम्या रिज़वी ने अपने अभिनय कौशल से सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। शहर के नामचीन कलाकार सुचित्रा, राजेश श्रीवास्तव, गिल्बर्ट, संजय पांडे, सरिता श्रीवास्तव, सरिता साहू, रोशन गडेकर, डॉ. अनुपमा कश्यप, प्रशांत दुबे, तरुण साहू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि वर्मा ने किया। गजेन्द्र यादव, सर्वजीत बाम्बेश्वर, संगीता अपराजिता, धनराज का विशेष सहयोग रहा।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Ispat Bhoomi - 01 May 2025 - Page 6

कलाकार प्रेमचंद को दी श्रद्धांजलि

कॉलेज के विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम की आधार मुद्राओं के बारे में जाना

संगीत महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास पर सात दिवसीय कार्यशाला

भिलाई। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सभी आयु वर्ग के लिए आयोजित यह कार्यशाला रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का एक अनूठा मिश्रण प्रदान कर रही है। इसके अंतर्गत सुगम संगीत का मूल, भरतनाट्यम का आधार और अभिनय के माध्यम से भाषा और संवाद सम्प्रेषण के माध्यम से विकास पर कार्य किया जा रहा है। दुर्ग शहर के कलाकार माधव राम सिन्हा द्वारा आरंभ में सरगम का अभ्यास कराया गया। साथ ही सुगम गायन की विशेषता बताई गई। गुलशन कुमार ने टेबल में संगत दी। प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर ने भरतनाट्यम नृत्य की आधार मुद्राओं को बताया गया। युवा रंगकर्मी केवेंद्र साहू ने अभिनय कौशल की बारीकियों को बताया। कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न गतिविधियों के साथ साथ अन्तराष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर सुप्रसिद्ध नर्तक एवं संस्कृत नाटको के सिद्धहस्त कलाकार प्रेमचंद होम्बल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्व. होम्बल ने कलाक्षेत्र चेन्नई से रुक्मिणि अरुन्देल से नृत्य ग्रहण की एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय उनकी कर्मस्थली रही। देश विदेश में आपने संस्कृत नाटकों को भरतनाट्यम शैली में प्रस्तुत किया। कार्यालय प्रमुख यशवंत साहू ने प्रेमचंद जी की कलायात्रा के बारे में जानकारी दी।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Ispat Bhoomi - 05 May 2025 - Page 2

संगीत महाविद्यालय में आयोजित व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय द्वारा प्रदर्शनात्मक कलाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यशाला को सुगम संगीत, भरतनाट्यम के आधार बिंदु एवं संवाद सम्प्रेषण पर केन्द्रित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ अजय सिंह, प्राचार्य शासकीय वीवायटी स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग एवं विशिष्ट अतिथि गायक माधव राम सिन्हा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि श्री सिन्हा, वरिष्ठ प्रतिभागी ममता सोनी, प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर ने संबोधित किया। नृत्य की आधार मुद्राओं सहित भूमि प्रणाम, शिव स्तुति, श्लोक अभ्यास किया। प्रतिभागियों द्वारा राज गीत, विवि का कुल गीत, सुरेश बारसागड़े और साथियों ने राग भैरव में छोटा ख्याल, सुमन ने साईं भजन तथा अमन, तामेश्वर, कुनाल, कल्याण, पंकज ने फिल्मी गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय के कार्यालय प्रमुख यशवंत साहू का रक्तदान जैसे सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

■ नृत्य की आधार मुद्राओं का किया गया अभ्यास

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Ispat Bhoomi - 14 Dec 2024 - Page 6
रायपुर, शनिवार 14 दिसंबर 2024

सिटी इवेंट

स्लोगन और कविता पाठ कर बताया सुशासन दिवस का महत्व

भिलाई। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय दुर्ग द्वारा सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिचर्चा, स्लोगन, कविता पाठ, गीत-संगीत का आयोजन भी किया गया साथ ही छात्र द्वारा दिये गए बांसुरी वादन की प्रस्तुति ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक सफल वर्ष पूर्ण होने पर छात्र-छात्राओं ने अपने अनूठे अंदाज में सहभागिता दिखाई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक डॉ जी ए घनश्याम, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ ऋचा ठाकुर और कार्यालय प्रमुख यशवंत साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे। डॉ घनश्याम ने विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा और भाषा के अनोखे प्रयोग से प्रभावित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सुशासन के महत्व को बताया और स्वलिखित कविता के सम्प्रेषण से उपस्थित जनों को भाषाओं में अपनी पकड़ का परिचय दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी के साथ समस्याओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ छात्र तपन कुमार ने सुशासन के अर्थ को विस्तार से बताया। इस दौरान स्वाति, सीमा निषाद, तुकेश्वर ने स्लोगन को पोस्टर एवं सम्प्रेषण के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्र जगदीश बामनिया ने कविता रचना कर प्रस्तुति दी, साथ ही पंकज, तामेश्वर ने भी कविता सुनाया। जीव नंदन वर्मा एवं सुरेश बरसागड़े ने परिचर्चा के रूप में सुशासन की विस्तृत व्याख्या की। रजत कुमार ने अपनी सुमधुर बांसुरी वादन से सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी सोहर गीत और तामेश्वर साहू में गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संयोजन डॉ निधि वर्मा एवं आभार जीव नन्दन ने किया।

■ सुशासन दिवस : सकारात्मकता बनने का प्रयास करें डॉ. जीए घनश्याम